बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

यीशु और जक्कई

लेखक : Edward Hughes
व्याख्याकार : Janie Forest
अनुवाद : Suresh Kumar Masih
रूपान्तरकार : Ruth Klassen

60 कहानियों में से 53 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

एक दिन, यीशु यरीहो से होकर गुजरा। इस शहर को बहुत समय पहले यहोशू द्वारा नष्ट कर दिया गया था। अब इसे फिर से बनाया गया था और वहाँ बहुत सारे लोग रहते थे। उनमें जक्कई नाम का एक आदमी था।

1

शायद यरीहो में अन्य लोगों ने उसे पसंद नहीं दिया क्योकि वह उन लोगों से चुंगी का पैसे माँगा करता था। जक्कई उस धनराशि में से कुछ सरकार को भेज देता था - लेकिन बहुत कुछ अपने लिए रखा लेता था।

2

एक चुंगी इकट्ठा करने वाला होने के नाते जक्कई बहुत धनी बन गया। शायद उसका घर उसके ब्लॉक में सबसे बड़ा और सबसे अच्छा बनाया होगा।

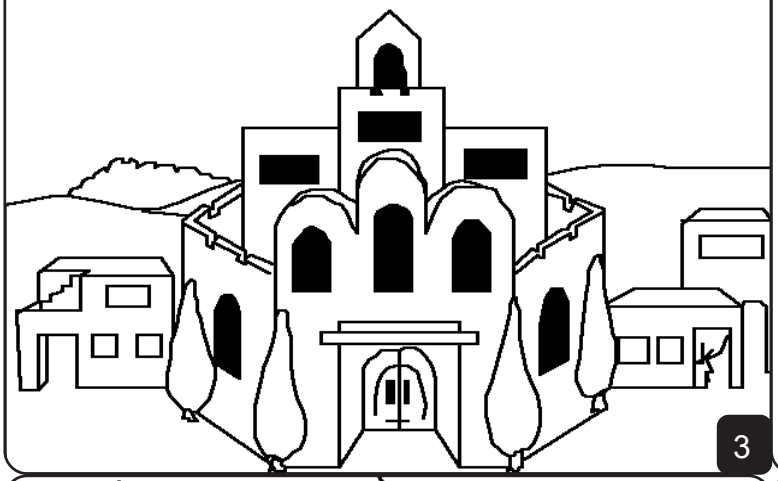

3

लेकिन वह एक नाटा पुरुष था, पैसे से नाटा नहीं है, लेकिन कद में नाटा था। जक्कई अन्य लोगों के सामान लंबा नहीं था।

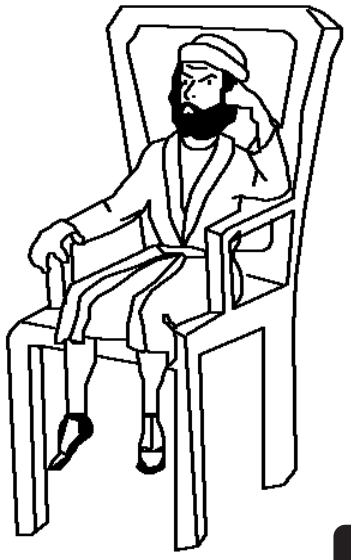

4

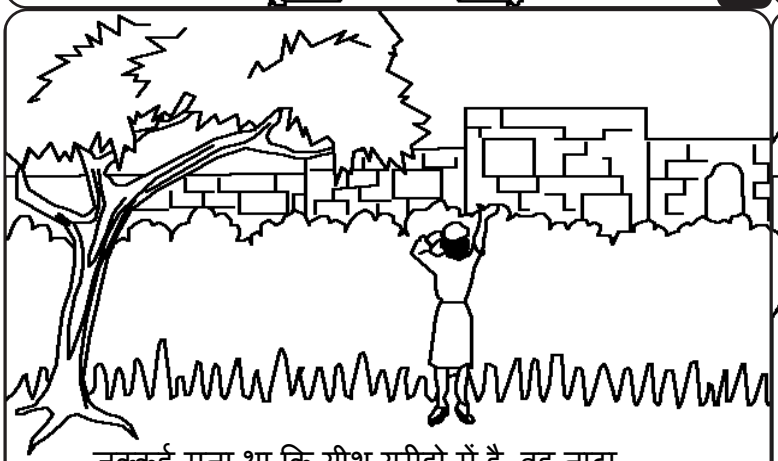

जक्कई सुना था कि यीशु यरीहो में है, वह नाटा चुंगी लेनेवाला नासरत के यीशु को देखना चाहता। था जो परमेश्वर का बेटा होने का दावा कर रहा था। लेकिन बहुत ज्यादा भीड़ थी ... लम्बे लोग घेरे हुए थे।

5

जक्कई को एक उपाय आया! यदि वह भीड़ के आगे जाकर, एक पेड़ पर चढ़ जाये जो सड़क पर झुका हुआ है तो वह यीशु को देखने पायेगा।

6

एक गूलर के पेड़ पर चढ़ते हुए, ज़क्चेउस ने शाखाओं में से एक आरामदायक टहनी पाया और वही बैठकर यीशु के आने की प्रतीक्षा करने लगा। "मैं बहुत अच्छा से देखने पाउँगा" वह सोचा होगा। "मैं खुद दिखे बिना उसे देखूंगा।"

7

"जक्कई, जल्दी करो और नीचे आ जाओ" नाटा चुंगी लेने वाला अपने कानों पर विश्वास नहीं किया होगा। यीशु पेड़ के नीचे खड़ा था। यीशु उसे देख रहा था। यीशु उसे बुला रहा था!

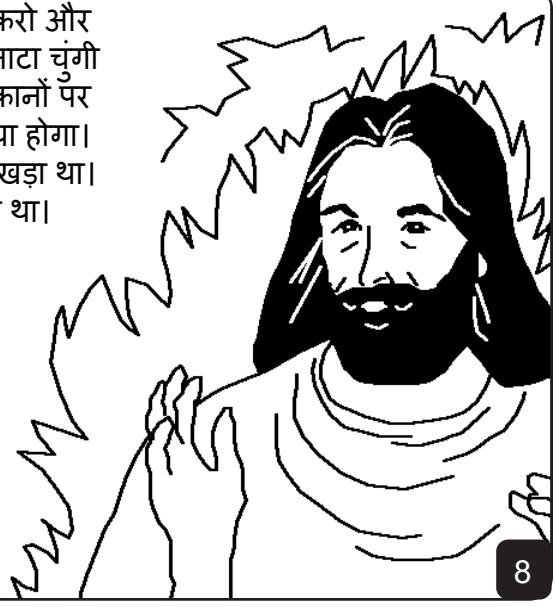

8

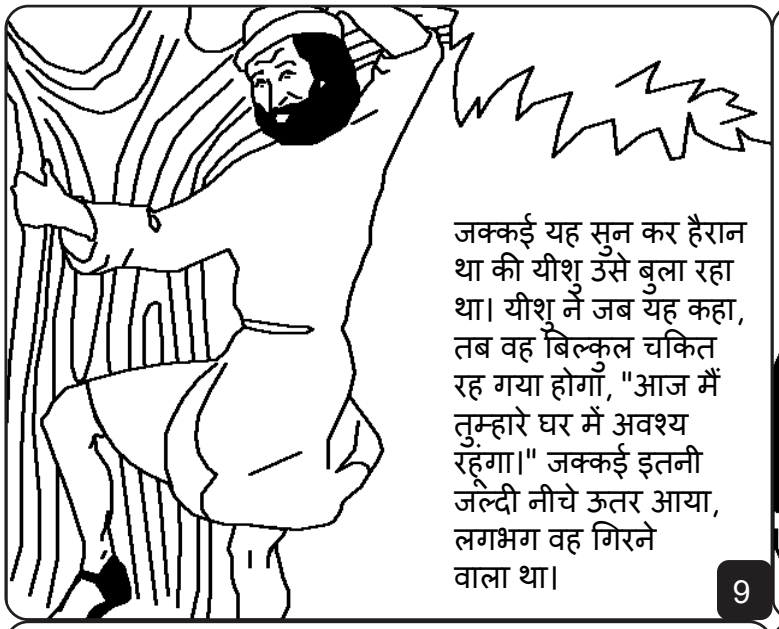

जक्कई यह सुन कर हैरान था की यीशु उसे बुला रहा था। यीशु ने जब यह कहा, तब वह बिल्कुल चकित रह गया होगा, "आज मैं तुम्हारे घर में अवश्य रहूंगा।" जक्कई इतनी जल्दी नीचे ऊतर आया, लगभग वह गिरने वाला था।

9

जक्कई ख़ुशी से भर उठा की यीशु उसके घर ठहरने वाला है। लेकिन लोगों को यह पसंद नहीं आया। वे शिकायत की यीशु को जक्कई जैसे पापी के घर का दौरा नहीं करना चाहिए था।

10

यीशु ने जक्कई के लिए एक नया जीवन लेकर आया। जक्कई ने कहा प्रभु, मैं अपनी आधी सम्पत्ति गरीब को दे दूँगा। "और यदि मैंने किसी को धोखा दिया है तो उसे मै चार गुना ज्यादा वापस दे दूंगा।"

11

यीशु जक्कई के 'नये जीवन से खुश था। वह तो यह देखना चाहता है कि लोग अपने पापों से मन फिरायें और जो सही है वही करें। यीशु ने कहा, "मनुष्य का पुत्र खोये हुओं को ढूढ़ने और उनका उद्धार करने आया है" उस दिन यरीहो में यीशु ने जक्कई को पाया!

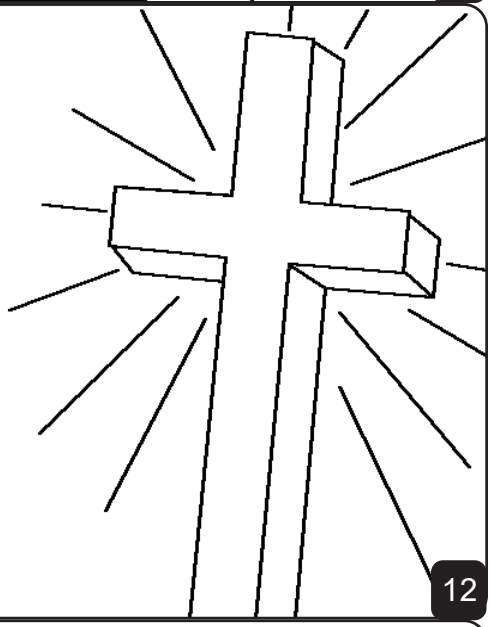

12

यीशु और जक्कई

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

लूका 19

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुन: स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुन: जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.